an>

Title: Need to expedite the proposal of modernisation of police stations along border areas in the country.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिनों पहले पठानकोट में जो घटना हुई उसने पूरे देश का ध्यान आकृÂष्ट किया और देश को पुनः चिंतन करने पर मजबूर कर दिया। मैं लोक सभा में पश्चिमी राजस्थान का प्रतिनिधित्व करता हूं। राजस्थान वह प्रदेश है जो पाकिस्तान के साथ कुल सीमा का एक तिहाई हिस्सा है, हम लगभग 1040 किलोमीटर लंबी बार्डर शेयर करते हैं।

19.00 hours

मैंने लोक सभा में आने से पहले कई वर्षों तक सीमावर्ती क्षेत्र में काम किया है। जिस तरह की परिस्थितियां पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र में हैं, मैं मानता हूं कि बार्डर पर फेंसिंग होने के बाद सीमा पर अराष्ट्रीय गतिविधियों पर अंकुश लगा है। लेकिन शिफ्टिंग सेंडडून की समस्या के कारण लगभग 50 किलोमीटर का क्षेत्र ऐसा है जहां हर साल सीमा की तारबंधी मिट्टी के नीचे दब जाती है और नीचे से मिट्टी खिसक जाने के बाद ऊपर रह जाती है। ऐसी स्थिति में उस बार्डर पर हमेशा एक खतरा बना रहता है। उस खतरे के कारण पठानकोट जैसी घटना हो जाती है, क्योंकि नारको टेरोरिज्म का जुड़ाव, जो पठानकोट में दिखायी दिया है, उसके कारण हम जो खतरा महसूस कर रहे हैं, वह खतरा पश्चिम राजस्थान की सीमा से बढ़ रहा है। चूंकि कश्मीर की सीमा पर फौज का दबाव बढ़ने के कारण वहां से इन्फिल्ट्रेशन कम हो गया है, इसलिए पश्चिमी राजस्थान की सीमा भी एक सेंसिटिव सीमा बन गयी है। राजस्थान सरकार ने पश्चिमी राजस्थान की बार्डर की सारी पुलिस थानों का माडर्नाइजेशन करने का प्रोजैक्ट केन्द्र सरकार को भेजा है, जो पिछले कई सालों से लंबित है। हमारे पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र के थाने संसाधनों की कमी के कारण बुरी तरह जूझ रहे हैं। हम चाहते हैं कि उन संसाधनों की कमी के कारण उत्पन्न परिस्थितियों से देश में पठानकोट जैसी परिस्थितियों की पुनरावृति न हो।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि आप हम सबको बोलने का अवसर प्रदान करते हैं, हमारा संरक्षण करते हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि राजस्थान के बार्डर पुलिस थानों के माडर्नाइजेशन का प्रोजैक्ट केन्द्र सरकार में लंबित है, उसे तुरंत स्वीकृत कराया जा सके, ताकि देश की सीमा पर इस तरह के नये खतरे उत्पन्न न हों। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel,

Shri P.P. Chaudhary,

Shri C.R. Chaudhary

Shri Ramcharan Bohra are permitted to associate with the issue raised by Shri Gajendra Singh Shekhawat.